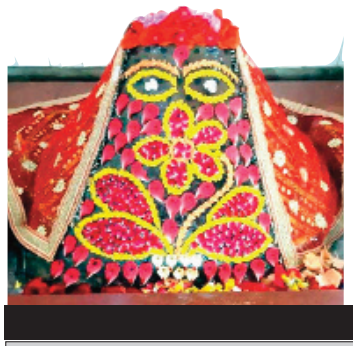

।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2081 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी, 1-15 जून 2024 , 1-15 June 2024, • वर्ष 4 (Year-4), • अंक 2 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु. 2 (Price 2/-)

क्या है वजह कि लोकसभा चुनाव में 14 सीटों के नुकसान के बाद भी पीएम मोदी ने महाराष्ट्र से चुने 6 मंत्री

नई दिल्ली : लोकसभा चुनाव में 14 सीटों के नुकसान के बाद ने महाराष्ट्र से 6 लोग नरेंद्र मोदी के 71 सदस्यीय मंत्रिमंडल में चुने गए हैं। इनमें से चार सीटें भाजपा को और दो सीटें सहयोगी दलों को मिली है।

लोकसभा चुनाव में 14 सीटों के नुकसान के बाद ने महाराष्ट्र से मंत्रिमंडल 6 लोगों को जगह दी गई है। मोदी के 71 सदस्यीय मंत्रिमंडल में इन 6 लोगों को जगह दी गई है। इनमें से चार सीटें भाजपा को और दो सीटें सहयोगी दलों को मिली है। मोदी ने यहां के दो वरिष्ठ नेताओं नितिन गडकरी और पीयूष गोयल को फिर से मंत्रिमंडल में शामिल किया है। इनके अलावा महाराष्ट्र से चुने गए भाजपा के 17 सांसदों में से दो और लोगों- रक्षा खडसे और मुरलीधर मोहोल को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। वहीं पिछली मोदी सरकार में एमएसएमई मंत्री रहे नारायण राणे को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। राणे रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से चुने गए हैं। पूर्व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड को भी मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया है।

अब सवाल यह उठता है कि भाजपा के दो नए चेहरे चुनने के क्या कारण हैं? इसमें पहला नाम रक्षा खडसे का है जो उत्तर महाराष्ट्र के रावेर निर्वाचन क्षेत्र से तीसरी बार लोकसभा के लिए चुनी गई हैं। वह महाराष्ट्र से भाजपा की दो महिला सांसदों में से एक हैं। तत्कालीन केंद्रीय

मंत्री भारती पवार सहित चार अन्य महिला उम्मीदवार चुनाव हार गईं। रक्षा पूर्व भाजपा नेता एकनाथ खडसे की बहू हैं, जो भाजपा के शीर्ष नेताओं पर उन्हें दरकिनार करने का आरोप लगाते हुए राकांपा में शामिल हो गए थे। रक्षा खडसे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करना एकनाथ खडसे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रक्षा लेवा पाटिल समुदाय से आती हैं, जिसकी उत्तरी महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में मजबूत उपस्थिति है।

शिवाजी महाराज के वंशज की जगह मुरलीधर मोहोल को मौका

दूसरा नाम मुरलीधर मोहोल का है, जो भाजपा के टिकट पर पुणे से चुने गए थे। मोहोल मराठा हैं और वे पश्चिमी महाराष्ट्र से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो राज्य में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भाजपा पश्चिमी महाराष्ट्र में दस में से दो सीटें जीती हैं और दो सीटें भाजपा की सहयोगी शिवसेना ने जीती हैं। एमवीए को पांच सीटों पर जीत मिली है। दो सीटें भाजपा की सहयोगी शिवसेना ने जीती हैं, जबकि सांगली से एक निर्दलीय ने जीत हासिल की है, जिसने कांग्रेस का समर्थन किया है। इस साल सितंबर-अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनावों में अगर तीन दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति को सत्ता में लौटना है तो यह क्षेत्र उसके लिए महत्वपूर्ण होगा। पार्टी ने मराठा समुदाय को शांत करने के अपने प्रयास की पृष्ठभूमि में युवा मराठा नेता को बढ़ावा दिया है, जो मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे- पाटिल के मराठा आरक्षण मुद्दे पर आंदोलन से निपटने को लेकर राज्य में अपनी सरकार से नाराज़ है। दिलचस्प बात यह है कि भाजपा ने छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज उद्धयनराजे भोंसले की जगह मोहोल को चुना, जो सतारा से चुने गए थे।

सभी क्षेत्रों को साधने की कोशिश

मोदी ने दलित नेता रामदास अठावले को भी फिर से शामिल किया है। इससे बीजेपी ने उन आरोपों पर प्रतिक्रिया देने की कोशिश की है कि भाजपा अगर भारी बहुमत से फिर से चुनी जाती है तो देश के संविधान को बदल देगी। महाराष्ट्र में तीन दलों के गठबंधन में अठावले की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन उन्हें तीसरी बार केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। क्षेत्रों की बात करें तो गडकरी विदर्भ से, गोयल मुंबई से, मोहोल पश्चिमी महाराष्ट्र से और खडसे उत्तर महाराष्ट्र से आते हैं। मराठवाड़ा क्षेत्र, जहां से इस बार एक भी भाजपा सांसद नहीं चुने गए, को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।

पिछली सरकार में दो केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे और भागवत कराड मराठवाड़ा से थे। दानवे चुनाव हार गए, जबकि कराड ने चुनाव नहीं लड़ा। वे राज्यसभा के सदस्य हैं। इस बीच, शिंदे ने अपने सबसे वरिष्ठ सांसद प्रतापराव जाधव को अपनी पार्टी को मिली एकमात्र सीट के लिए चुना है। जाधव चौथी बार विदर्भ क्षेत्र के बुलढाणा लोकसभा सीट से चुने गए हैं। वे उन 13 शिवसेना सांसदों में से एक थे, जो शिंदे के पार्टी तोड़ने पर उनके साथ चले गए थे।

क्यों बूढ़ी हो रही जापान की आबादी

अधिक शादियों और बच्चों के लिए अहम फैसला

नई दिल्ली : पिछले वर्ष के आंकड़ों के अनुसार जापान में जन्मदर काफी कम दर्ज की गई है। जापान की जनता लगातार बूढ़ी होती जा रही है, और जन्म का आंकड़ा कम होता जा रहा है। अब पिछले साल का सरकारी आंकड़ा यह बताता है कि 123.9 मिलियन आबादी वाले देश में सिर्फ 727277 शिशुओं ने जन्म लिया। यह आंकड़ा पिछले वर्षों की तुलना कम है। इसके लिए सरकार ने डेटिंग एप शुरू किया है। जापान में एक सरकार द्वारा संचालित डेटिंग एप चलाया जा रहा है। हालांकि यह एप का प्रारंभिक परीक्षण हो रहा है, जिसके जरिए शादी की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों के बीच कनेक्शन को सुविधाजनक बनाया जाए। शादी के लिए पहला कदम के रूप में वर्णित एक ऐप टोक्यो

मेट्रोपॉलिटन सरकार द्वारा प्रदान की गई एआई मैचमेकिंग प्रणाली का उपयोग करता है। दरअसल जापान के स्वास्थ्य, श्रम और मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल 727277 शिशुओं का जन्म हुआ है। जबकि देश की आबादी 123.9 मिलियन है। यह जन्म की संख्या काफी कम दर्ज की गई है। प्रजनन दर में 1.26 से घटकर 1.20 हो गई है। जबकि स्थिर जनसंख्या के लिए 2.1 की प्रजनन दर होना चाहिए। वैवाहिक संघ भी कम होते जा रहे हैं, पिछले साल 30,000 विवाहों की कमी के साथ-साथ तलाक में वृद्धि हुई है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि देश के जनसांख्यिकी संतुलन को देखते हुए यह गिरावट काफी समय तक बनी रहेगी। इन चुनौतियों को कम करने के प्रयास चल रहे हैं, सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए विशेष एजेंसियों की स्थापना कर रही है। जैसे कि चाइल्ड केयर सुविधाएं बढ़ाना, माता-पिता के लिए आवास सब्सिडी, चुनिंदा क्षेत्रों में बच्चों को जन्म देने वाले जोड़ों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन आदि। वहीं एलन मस्क ने जापान की पहल को स्वीकृति दी है। जिसमें जन्म दर में गिरावट को संबोधित करने की महत्वपूर्ण प्रकृति पर जोर दिया गया। विशेषज्ञ कहते हैं कि जनसांख्यिकी बदलाव, परिवर्तनकारी होते हुए भी जापान जैसे देशों के गायब होने का कारण बन सकता है। डेटिंग एप वैवाहिक बंधन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दिखा रहा है।

देश का संसद प्रायोजित षड्यंत्र का शिकार

डॉ माया शंकर झा

आखिर यह कैसी चिंता है कि चर्चा करने के बजाए नारेबाजी पर जोर दिया जा रहा है। विपक्ष हंगामा करने और संसद न चलने देने के लिए नित नए बहाने खोजने में लगे हुए है। विपक्षी दलों के इस प्रकार के विचित्र व्यवहार को देखते हुए देश की जनता क्षुब्ध है। हैरानी की बात है कि विपक्षी गठबंधन '' की ओर से पेश किया गया 'अविश्वास प्रस्ताव' को लोकसभा में अनुमति मिल जाने के बाद भी सदन को नहीं चलने देना विपक्ष की हठधर्मिता की पराकाष्ठा है। उसके अड़ियल और गैरजिम्मेदाराना रवैये से यह साफ है कि वह न तो मणिपुर को लेकर गंभीर है और न ही संसदीय कामकाज में उसकी कोई दिल–चस्पी है। इसीलिए उसने संसद में हंगामा करने के लिए इस बहाने की आड़ ली कि मणिपुर पर चर्चा तभी होने दी जाएगी जब प्रधानमंत्री बोलेंगे। यह विपक्ष की हठधर्मिता नहीं तो क्या है ? दिखावे के लिए विपक्ष मणिपुर के साथ देश की अन्य समस्याओं की चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं। लेकिन सच यह है कि वे इन मामलों मे गंभीर नहीं हैं। उनका अतार्किक रवैया बता रहा है कि उनका उद्देश्य मणिपुर की हिंसा पर चर्चा करना नहीं है। उनका उद्देश्य संसद को अवरुद्ध कर आने वाले सभी 31 बिल को पास होने से रोकना है। उनकी हठधर्मिता का प्रमाण उनके नारे लिखी तख्तियाँ और संसद में काले कपड़ों में दिखना काफी है। काले कपड़े एवं झंडे विरोध का प्रतीक माने जाते हैं और विपक्षी नेताओं को ऐसे प्रतीक अपनाने के पीछे यही आशय है। अब प्रश्न उठता है कि आखिर जनप्रतिनिधि के रूप में संसद में उनका काम अपने काले कपड़ों की नुमाइश करना है या फिर उन विषयों पर बहस करना जिन्हें लेकर वे अपनी चिंता जताने में लगे हुए हैं ?

यह हास्यास्पद है कि विपक्षी दल एक ओर राष्ट्रीय हितों की रक्षा की दुहाई दे रहे हैं और दूसरी ओर संसद में राष्ट्रीय अथवा आम जनता से जुड़े किसी विषय पर चर्चा भी नहीं होने दे रहे हैं। यदि वे यह मानकर चल रहे हैं कि जनता को यह सब समझ नहीं आ रहा है तो वे नादान हैं। जनता सब देख रही है और समझ भी रही है कि कौन संसद न चलने देने पर आमादा है ? यदि विपक्ष अपने गठबंधन को '' नाम देकर यह मान बैठे हैं कि वे भारत का पर्याय बन गए हैं तो इसे मुगालते के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। देश की जनता को ऐसे मुगालते को दूर करना अच्छी तरह से आता है। मैं सभी विपक्षी तेवरों को आगाह करना चाहता हूँ कि वक्त रहते हुए संभल जाओ, अन्यथा न घर के रहोगे न घाट के। मेरी बात गाँठ बाँध लो, तुम अपने ही अविश्वास प्रस्ताव पर बुरी तरह हारोगे और लज्जित होकर संसद से बाहर जाओगे। फिर संसद भी चलेगा और बिल भी पास होगा। तुम खिसियानी बिल्ली की तरह खम्भा नोचना। जनता को विपक्ष पर जो भरोसा था उसे तुम लोग खो चुके हो। रही बात मोदी सरकार की तो विपक्ष का तेवर और हठधर्मिता ने उसे और अधिक मजबूत बना दिया है। जनता के सामने यह पोल खुल गया कि विपक्ष अपने निजी स्वार्थ के कारण संसद के समय को बर्बाद कर संसद की गरिमामय इतिहास को कलंकित कर रहा है। वक्त किसी को नहीं छोड़ता, सबको सजा देता है। जनता के टेक्स के पैसों को इस प्रकार बर्बाद करना क्या उचित है ?

जब सरकार चर्चा करने के लिए तैयार है तो चर्चा करो, चर्चा और बातचीत से ही सभी समस्याओं का हल निकलेगा। सिर्फ नारेबाजी और शोरगुल करने से समाधान नहीं होगा। बच्चों की तरह चाँद लेने का जिद्द छोड़कर वास्तविकता को समझो और व्यवहारिक बनकर जनता के सामने आओ। तब जनता अवश्य स्वीकार करेगी। सिर्फ लॉलीपॉप की राजनीति करने से सफलता नहीं मिलेगी। हे भगवान, देश के विपक्षी नेतृत्व को सद्बुद्धि देकर देश के करुणक्रंदन परिस्थितिजन्य वातावरण को सम्हाल ले ! देश के प्रधानमंत्री को वह शक्ति दे जिससे वह देश में अमन–चैन ला सके ! जय हिन्द ! जय भारत !!

स्वस्थ विभाग की बड़ी लापरवाही से बदल गया गांव का नाम

मधुबनी : जिले के अंधराठाढ़ी प्रखण्ड गंगद्वार गांव में आयुष्मान भारत, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सह हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर गंगद्वार में लगाए गए बोर्ड में गांव का नाम गलत लिखा गया है.ये सिर्फ दिन में ही नहीं बोर्ड के अंदर लगें लाइट शाम को जलते ही रात में भी में गलतियां नजर आ रही है.विभाग की इस लापरवाही की वजह से गांव के मूल नाम बदल गए हैं.स्वस्थ विभाग के इस कारनामे से गांव वास्तविक नाम के साथ पहचान खो रहे हैं.मधुबनी जिले के अंधराठाढ़ी ब्लॉक में गंगद्वार गांव का आयुष्मान भारत,अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सह हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर गंगद्वार में लगे हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर नाम का बोर्ड में शब्द में गलतियां कर दी गई हैं.मूल नाम में शब्द की गलतियां होने से गांव का नाम ही बदल दिया गया है,जो अधिकारियों की लापरवाही बयां कर रहा है.गंगद्वार गांव का नाम गंगडुआर लिख दिया गया है.गांव के गलत नाम लिखे जाने से पहली बार आने वाले लोग भ्रमित भी हो रहे हैं.लोगों की सुविधा के लिए बनाए गए ये बोर्ड अब दुविधा पैदा कर रहे हैं.विभाग के जिम्मेदारों के इस लापरवाही से जहां गांव के असली नाम ही विलोपित हो गए हैं.जब से हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर का बोर्ड लगा है तब से अब तक सुधार कार्य नहीं किए गए हैं

अवैध निर्माण से पटा पड़ा है हावड़ा

पूर्व पार्षद बन गए हैं प्रमोटर, तो क्या चल पाएगा निगम का हथौड़ा

हावड़ा : अवैध निर्माण से पटा पड़ा है हावड़ा, कह सकते है कि लोग होशोहवास में अपने लिये घर नही मौत का सामान खरीदने पर मजबूर है। कोलकाता के व्यवसायिक इलाके के एकदम नजदीक होने के कारण रहने के लिये लोगों की पहली पसंद है हावडा। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, हावडा स्टेशन से सांतरागाछी तक पिछले 10 वर्षों में हुए मकान निर्माण को देखेंगे तो एक नई परंपरा का दर्शन होगा, पहले लोग साइट प्लान लेते थे, सॉइल टेस्ट करते थे, नगर निगम के एफ ए आर के अनुसार मकान निर्माण करते थे, जिसे करते समय थोड़ी बहुत बदलाव हो जाये तो उसे डेविएशन दिखाकर कुछ जुर्माना के साथ एज मेड प्लान बना कर उसका अनुमोदन करवा लेते थे। 2012 से शुरू हुआ रिटेंशन फी का खेला, अब आप मिले हुए प्लान के ऊपर निर्माण कर उसका रिटेंशन फी देकर उसे टूटने से बचा सकते है, वर्ष 2014 से पूर्ण रूप से एक व्यवस्था शुरू हुई वो थी जितना बनाना है बनाओ और सीधे 250 रुपया वर्गफुट रिटेंशन फी दो और मकान को टूटने से बचाने का परमिसन पाओ। सबसे बुरा हालात हुई घनी बस्ती वाले इलाकों की जहा बिना किसी नियम के सकरी सकरी गलियों में जहा न तो आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस ना ही फायरब्रिगेड की गाड़ी पहुच पायेगी, ऐसे गलियों में जहा किसी भी निर्माण की अनुमति नही मिलनी चाहिए वहा 5 तल्ले का निर्माण हुआ है और वो भी सैकड़ों के तादाद में।

हद तो तब हुई जब बीस साल 25 साल पहले बने मकानों पर फिरसे अवैध निर्माण चालू हुआ अब इस नई व्यवस्था में स्थानीय टूटपुजिया नेताओं की चांदी हो गयी, अपने नेताओं के दबदबे के बल पर मकान मालिकों को प्रलोभन देकर पहले से बने मकान के छत पर अतिरिक्त 2 या 3 तल्ले का निर्माण 50–50 के अनुपात में शुरू हुआ, फिर बनाने के बाद रिटेंशन फी का सहारा है ही। ऐसे कई मामले मेरे व्यक्तिगत जानकारी में है जहा 40 साल पुराने मकान पर ऊपर अतरिक्त 2 तल्ले का निर्माण हुआ है, बिना अनुमति के कई प्लाट को मिलाकर 5 तल्ले का निर्माण हुआ है, पहले से बने रिहायसी निर्माण पर अतिरिक्त 3 तल्ले का निर्माण कर वहा अवैध तरीके से अस्पताल तक खुला है। बार बार सम्बन्धित विभाग को शिकायत के बाद कार्यवाई के बदले अवैध निर्माण करने वालों को विभाग, पुलिस और सत्ताधारी पार्टी से प्रोत्साहन मिलता है, क्यों कि इसमें आने वाले मोटे रकम में सबको हिस्सा मिलता है। हावडा नगर निगम तो अवैध निर्माण पर सूचना के अधिकार के तहत जवाब भी नही देता बजाय इसके पूरी जानकारी प्रमोटर को मिल जाती है कि किसने आर टी आई कि है। हालात ऐसे है कि निर्वाचित बोर्ड के समय समाप्त होने के बाद से भले ही रिटेंशन फी नही लिया जा रहा है लेकिन अवैध निर्माण उसी तेजी के साथ जारी है। कह सकते है कि उम्मीद पर दुनिया कायम है। हज़ारों हज़ार अवैध निर्माण होकर अब रिटेंशन फी देने के लिये तैयार बैठे है। अवैध निर्माण के खिलाफ कोर्ट में लगातार हो रहे मामलों में आने वाले फैसलों को भी क्रियान्वित करने में निगम का रवैया ढुलमुल होता है। ऐसे कई उदाहरण शिकायत पत्र, आर टी आई के आवेदन, मकान तोड़ने के आदेश और बार बार हुई शिकायत की गई है लेकिन उसका उत्तर आज तक आर टी आई करने वाले को नहीं मिली।

यह मौत का खेल सबसे अधिक निम्न मध्यवर्गीय परिवार को प्रभावित करता है जो अपने घर के सपनो को पूरा करने के लिए, जीवन भर की कमाई इन बेईमान प्रमोटरों को देकर बुरे तरीके से इनके जाल में फंस रहे है, नकली कागजात के सहारे अब कई बैंक इन अवैध मकानों को लोन तक देने लगे है। जिस तरह से हावड़ा नगर निगम के मुख्य प्रशासक सुजय चक्रवर्ती ने आनन फानन में प्रेस कांफ्रेंस करके अब मुहिम छेड़ने की बात कर रहे हैं लेकिन उन्हें शायद यह नहीं पता है कि एक दो नहीं बल्कि हजारों हजार ऐसे बिल्डिंग है अवैध रूप से बनी है जिन पर अब किसी का हथौड़ा नहीं चल सकता क्योंकि ये बिल्डिंग जिन्होंने बनाई वह किसी ने किसी राजनीतिक दल से संबंधित है विशेष करके सत्ता पक्ष से और जैसा कि 2018 के बाद नगर निगम का बोर्ड टूट चुका है इसलिए अब बिल्डरों और प्रमोटर्स का काम पार्षदों ने अपने हाथ में ले लिया है। हावड़ा के किसी भी आंचल में जाए आपको वहां पर पार्षदों का नाम बिल्डरों और प्रमोटर के साथ जुड़ा हुआ मिल जाएगा या तो वे स्वयं करते हैं या फिर बिल्डरों और प्रमोटरों के साथ मिलकर के बिल्डिंग निर्माण को अंजाम देते हैं।सैंक्शन होता है तीन तल्ले का लेकिन बिल्डिंग बन जाती है पांच तल्ले की क्योंकि उन्हें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि रिटेंशन फी के द्वारा हुए बच जाएंगे। ऐसे में अब देखना है कि डॉक्टर सुजय चक्रवर्ती या बिल्डिंग विभाग के अधिकारी किस रूप में या कैसे इन अवैध बिल्डिंगों के अवैध हिस्से को तोड़ते हैं।

तेज आंधी व बारिश से क्षतिग्रस्त हुए आशियानें

अंधराठाढ़ी : अंधराठाढ़ी प्रखंड क्षेत्र में तेज आंधी तूफान के साथ आई बारिश से कई पेड़ गिरे। तेज आई आंधी से अंधराठाढ़ी प्रखंड के गंगद्वार पंचायत के विभिन्न मुहल्ले के घरों के छप्पर उजड़ने के साथ कई आशियाने क्षतिग्रस्त हो गए.कहीं टीन तो कहीं फूस के छप्पर उड़ गए और कहीं कच्चा मकान ही ध्वस्त हो गया. इतना ही नहीं कई जगहों पर पेड़ उखड़ कर घर पर जा गिरे. हालांकि इस आंधी–तूफान से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है. प्रखंड क्षेत्र में आई आंधी तूफान से लोग काफी सहम गए. आंधी तूफान से जहां एक ओर घरों को क्षति पहुंची है वहीं दूसरी ओर जगह–जगह बिजली के तार टूट कर गिर जाने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति भी कई घंटों के लिए बाधित हो गयी.

अन्याय देखकर चूप रहना भी है पाप

महाभारत के युद्ध पश्चात जब 'श्री कृष्ण' लौटे तो रोष में भरी रुक्मणी' ने उनसे पूछा ?? युद्ध में बाकी सब तो ठीक था। किंतु आपने 'द्रोणाचार्य' और 'भीष्म पितामह' जैसे धर्मपरायण लोगों के वध में क्यों साथ दिया ?? 'श्री कृष्ण' ने उत्तर दिया। ये सही है की उन दोनों ने जीवन भर धर्म का पालन किया। किन्तु उनके किये एक 'पाप' ने उनके सारे 'पुण्यों' को नष्ट कर दिया। वो कौन से पाप थे ?? जब भरी सभा में 'द्रोपदी' का चीरहरण हो रहा था। तब यह दोनों भी वहां उपस्थित थे। बड़े होने के नाते ये दुशासन को रोक भी सकते थे। किंतु इन्होंने ऐसा नहीं किया। उनके इस एक पाप से बाकी सभी धर्मनिष्ठता छोटी पड़ गई। और 'कर्ण' वो तो अपनी दानवीरता के लिए प्रसिद्ध था। कोई उसके द्वार से कोई खाली हाथ नहीं गया। उसके मृत्यु मे आपने क्यों सहयोग किया। उसकी क्या गलती थी ?? हे प्रिये! तुम सत्य कह रही हो। वह अपनी दानवीरता के लिए प्रसिद्ध था और उसने कभी किसी को ना नहीं कहा। किन्तु जब अभिमन्यु सभी युद्धवीरों को धूल चटाने के बाद युद्धक्षेत्र में घायल हुआ भूमि पर पड़ा था। तो उसने कर्ण से पानी मांगा कर्ण जहां खड़ा था उसके पास पानी का एक गड्ढा था। किंतु कर्ण ने मरते हुए अभिमन्यु को पानी नहीं दिया। इसलिये उसका जीवन भर दानवीरता से कमाया हुआ 'पुण्य' नष्ट हो गया। बाद में उसी गड्ढे में उसके रथ का पहिया फंस गया और वो मारा गया। हे रुक्मणी! अक्सर ऐसा होता है। जब मनुष्य के आसपास कुछ गलत हो रहा होता है और वे कुछ नहीं करते। वे सोचते हैं की इस 'पाप' के भागी हम नहीं हैं।

हंसी की कोई सीमा नहीं! 5 ने 'लव की अरेंज मैरिज' का ट्रेलर जारी किया

इशरत खान द्वारा निर्देशित, इस फिल्म को 14 जून को प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर किया जाएगा भारत के सबसे बड़े स्वदेशी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और बहुभाषी कहानीकार 5 ने आज बहुप्रतीक्षित पारिवारिक मनोरंजन फिल्म 'लव की अरेंज मैरिज' का ट्रेलर रिलीज़ किया। इशरत खान द्वारा निर्देशित और भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड के सहयोग से द्वारा निर्मित, यह सितारों से सजी फिल्म दर्शकों को अरेंज मैरिज और अपरंपरागत प्रेम कहानियों की दुनिया में एक आनंदमय यात्रा पर ले जाने का वादा करती है। सनी सिंह, अवनीत कौर, अन्नू कपूर, सुप्रिया पाठक और राजपाल यादव अभिनीत इस फिल्म का ट्रेलर एक युवा जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने माता-पिता के अप्रत्याशित प्रेम त्रिकोण के बीच फंस जाते हैं, और इसके चलते होने वाले हास्यास्पद घटनाक्रमों की झलक दिखाता है। 'लव की अरेंज मैरिज' में हंसी, दिल को छू लेने वाले पलों और अरेंज मैरिज की पुरानी अवधारणा पर एक नया दृष्टिकोण देखें, जिसे 14 जून को 5 पर प्रीमियर किया जाएगा! लव की अरेंज मैरिज एक पारंपरिक अरेंज मैरिज सेटअप के साथ शुरू होती है, जहाँ सनी सिंह और अवनीत कौर द्वारा निभाए गए एक युवा जोड़े की संभावित जोड़ी के लिए मुलाकात होती है। हालांकि, उनकी पहली मुलाकात टकरावों और मतभेदों से भरी होती है। अप्रत्याशित रूप से, तनाव के बीच, उनके अन्दर एक-दूसरे के प्रति प्रेम की भावनाएं विकसित होने लगती हैं। जैसे ही वे अपने नए प्यार को अपने परिवारों के बीच प्रकट करने की योजना बनाते हैं, एक मोड़ सामने आता है सनी के विधुर पिता, अन्नू कपूर द्वारा निभाया गया किरदार, अवनीत की एकल माँ, सुप्रिया पाठक द्वारा निभाए गए किरदार पर मोहित हो जाते हैं। और अधिक उथल-पुथल जोड़ते हुए, राजपाल यादव सुप्रिया पाठक से दीवानगी की हद तक प्यार करने लगते हैं।

युवा जोड़ा अब खुद को दशकों पुरानी एक प्रेम कहानी के बवंडर में उलझा हुआ पाता है, क्योंकि वे अपने माता-पिता के अप्रत्याशित रोमांस को संभालते हुए अपने खुद के रिश्ते को सुरक्षित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या सनी और अवनीत की शादी होगी, या उन्हें अपने माता-पिता के लिए अपने प्यार का बलिदान करना पड़ेगा?

5 के मुख्य व्यवसाय अधिकारी मनीष कालरा ने कहा, 'हम 'लव की अरेंज मैरिज' के साथ एक बेहतरीन पारिवारिक मनोरंजन प्रस्तुत करते हुए बेहद खुश हैं। यह एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी है जिसमें एक अनोखी कहानी है, जो पीढ़ियों में फैली प्रेम और विवाह की अप्रत्याशित कहानी को प्रस्तुत करती है। 5 में, हम अपने दर्शकों को विविध प्रकार का कंटेंट प्रदान करने में विश्वास रखते हैं, और यह

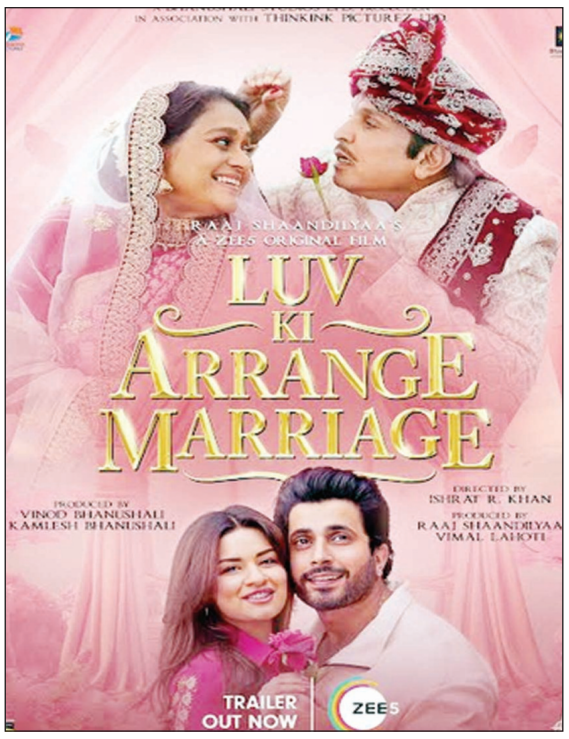

फिल्म हमारे मनोरंजक और मजेदार कंटेंट देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

निर्माता विनोद भानुशाली ने कहा, 'लव की अरेंज मैरिज एक पूरी तरह से मनोरंजक फिल्म है, जो कॉमिक ट्विस्ट और टर्न से भरपूर है, और राज शांडिल्य की विशिष्ट लेखन शैली को दर्शाती है। यह फिल्म परिवारों को एक साथ लाएगी और हंसी और खुशी के क्षण पैदा करेगी। हम इस हंसी के दंगल को 5 के माध्यम से दर्शकों के घरों में लाने के लिए उत्साहित हैं, जो भारत और विदेशों में हर घर तक पहुँचता है। हमें उम्मीद है कि हमारे दर्शक इस मनमोहक पारिवारिक कॉमेडी का आनंद लेंगे।

क्रिएटिव प्रोड्यूसर राज शांडिल्य कहते हैं, ''लव की अरेंज मैरिज' सच्ची घटनाओं से प्रेरित पीढ़ियों को पार करने वाले प्रेम का उत्सव है, जो हास्य को दिल को छू लेने वाले क्षणों के साथ मिलाता है। सनी सिंह और अवनीत कौर के युवा आकर्षण और अन्नू कपूर और सुप्रिया पाठक की अद्भुत केमिस्ट्री के साथ, हम दर्शकों को भावनाओं के रोलरकोस्टर पर ले जाने का लक्ष्य रखते हैं। विनोद और भानुशाली स्टूडियोज के साथ हमारा सहयोग एक शानदार यात्रा रही है, और हम इस दिल को छू लेने वाली पारिवारिक कॉमेडी को 5 पर प्रस्तुत करने के लिए उत्साहित हैं। यह फिल्म उस जादू का प्रमाण है, जो तब होता है जब परंपरा आधुनिक रोमांस के अप्रत्याशित मोड़ों से मिलती है।'

निर्देशक इशरत खान ने कहा, '5 पर लव की अरेंज मैरिज की घोषणा ने पहले ही जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, और ट्रेलर सिर्फ उन अंतहीन हंसी और पागलपन की एक झलक है जो दर्शकों का इंतजार कर रही है। इस अद्भुत कास्ट और वास्तव में अनोखी कहानी के साथ, हमने एक ऐसी रोमांटिक कॉमेडी बनाई है जो दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर देगी और साथ ही उनके दिलों को छू लेगी। इसमें और भी बहुत कुछ है, और मैं सभी को इस मजेदार, हंसी से भरपूर सफर पर ले जाने के लिए और इंतज़ार नहीं कर सकता, जब इस फिल्म को 5 पर प्रीमियर किया जाएगा।'सुप्रिया पाठक ने कहा, 'मैं ऐसी व्यक्ति हूँ जिसे कॉमेडी पसंद है और जो संबंधित बारीकियों के माध्यम से लोगों को हंसाना पसंद करती है, और इसलिए मैं लव की अरेंज मैरिज को हमारे दर्शकों के सामने पेश करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूँ। यह फिल्म प्रेम, कॉमेडी और ड्रामा का एक दिलचस्प मिश्रण है, जो पीढ़ियों के टकराव से होने वाली उथल-पुथल को दर्शाती है। ट्रेलर सिर्फ इस पागलपन की एक झलक देता है। इस प्रोजेक्ट पर राजपाल यादव और अन्नू कपूर जैसे कॉमेडी आइकन के साथ काम करना एक परम आनंद था। शूटिंग के दौरान हमने बहुत मजा किया, और मुझे यकीन है कि 5 के दर्शक उस जादू को पसंद करेंगे जिसे हमने एक साथ मिलकर बनाया है। यह पारिवारिक ड्रामा हंसी से भरपूर रहेगा!'

अन्नू कपूर, जो अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं, ने कहा, 'मैं निर्देशक इशरत खान, निर्माता विनोद भानुशाली, और हिंदी फिल्म उद्योग के अत्यंत प्रतिभाशाली सदस्यों जैसे सुप्रिया पाठक, राजपाल यादव, अवनीत कौर और सनी सिंह, साथ ही अन्य टीम सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ और शुभकामनाएं देता हूँ। लव की अरेंज मैरिज जैसी मजेदार फिल्म के कलाकारों और क्रू के साथ काम करना एक बहुत बड़ा आनंद और सम्मान था। मैं फिल्म में प्रेम कुमार का किरदार निभा रहा हूँ, जो नायक सनी सिंह का विधुर पिता है और जो नायिका अवनीत कौर, जो सुप्रिया पाठक की बेटी है और उनकी बचपन की प्रेमिका है, के प्यार में पड़ जाता है।' सनी सिंह ने कहा, ' एक जुगाड़ू लड़के के रूप में मेरा किरदार अपने पिता और अपनी गर्लफ्रेंड की मां के बीच एक हास्यास्पद लेकिन अनोखी स्थिति में फंस जाता है। यह अरेंज मैरिज की अवधारणा पर एक ताजगी और मनोरंजनपूर्ण दृष्टिकोण है, जहाँ प्रेम को आयु या सीमाओं का कोई मतलब नहीं होता। ट्रेलर पागलपन की सिर्फ एक झलक है, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि फिल्म आपको मनोरंजित करती रहेगी। सुप्रिया पाठक, अवनीत कौर, और अन्नू कपूर जैसे अनुभवी सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक अनुभव है जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। मैं उनसे सीखने का मौका मिलने पर आभारी हूँ, और मैं दर्शकों द्वारा ओटीटी पर हमारी फिल्म के प्रीमियर को देखने का और इंतज़ार नहीं कर सकता!'

अवनीत कौर ने कहा, 'मुझे विभिन्न किरदारों और शैलियों के साथ प्रयोग करना पसंद है। इसलिए, जब 'लव की अरेंज मैरिज' मुझे मिली, तो मैंने सोचे बिना ही प्रोजेक्ट को स्वीकार किया। फिल्म में, मेरा किरदार एक उत्साही छोटे शहर की लड़की का है जो एक लड़के को उसके माता-पिता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के आधार पर महत्व देती है। वह अपनी माँ और अपनी खुद की प्यार की कहानी को सुलझाने के बीच में जूझती हुई नजर आएगी। इसलिए, यह फिल्म आपको पीढ़ियों के बीच एक हास्यमय यात्रा पर लेकर जाएगी और दर्शकों के बीच गहरा प्रभाव डालेगी। मैंने इस प्रोजेक्ट पर काम करते समय अपने सह-सितारों सनी, सुप्रिया मैम, राजपाल सर और अन्नू सर के साथ एक बेहतरीन समय बिताया और मैं दर्शकों द्वारा इसे 5 पर देखने का इंतजार नहीं कर सकती।'

5 भारत का सबसे बड़ा स्वदेशी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और लाखों मनोरंजन चाहने वालों के लिए बहुभाषी कहानीकार है। 5, एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड , एक ग्लोबल कंटेंट पावरहाउस की शाखा है। उपभोक्ताओं की पसंद का निर्विवाद वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, 5 एक व्यापक और विविध कंटेंट लाइब्रेरी प्रदान करता है जिसमें 3,400 से अधिक फिल्में, 200 से ज्यादा टीवी शो, 170 से अधिक ओरिजिनल्स और 5 लाख से ज्यादा घंटे की ऑन-डिमांड कंटेंट शामिल हैं। यह कंटेंट पेशकश 12 भाषाओं (अंग्रेजी, हिंदी, बंगाली, मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, उड़िया, भोजपुरी, गुजराती और पंजाबी) में फैली हुई है, जिसमें बेहतरीन ओरिजिनल्स, भारतीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्में, टीवी शो, संगीत, बच्चों के शो, एडटेक, सिनेप्ले, समाचार, लाइव टीवी और स्वास्थ्य एवं जीवनशैली शामिल हैं। वैश्विक तकनीकी नवप्रवर्तकों के साथ अपनी साझेदारियों से उत्पन्न एक मजबूत डीप-टेक स्टैक ने 5 को 12 नेविगेशनल भाषाओं में विभिन्न उपकरणों, इकोसिस्टम और ऑपरेटिंग सिस्टम पर एक सहज और हाइपर- व्यक्तिगत कंटेंट देखने का अनुभव प्रदान करने में सक्षम बनाया है।

देश-विदेश से आये बौद्ध भिक्षुओं ने विश्व शांति का दिया संदेश

कोलकाता : दुनिया को अहिंसा मानवता और गैर सांप्रदायिकता का संदेश देने वाले देश-विदेश के बौद्ध भिक्षुओं ने कोलकाता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे विश्व शांति का संदेश दिया। 2568वीं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आज कोलकाता में गांधी प्रतिमा के नीचे सिद्धार्थ यूनाइटेड सोशल वेलफेयर मिशन द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर 2568वां अंतर्राष्ट्रीय विशाखा दिवस एवं विश्व शांति सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत के अलावा, बौद्ध भिक्षु तिब्बत, चीन, म्यांमार, श्रीलंका, वियतनाम और अन्य देशों से आए थे। सभी ने गौतम बुद्ध की प्रतिमा के सामने खड़े होकर विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया. सिद्धार्थ यूनाइटेड सोशल वेलफेयर मिशन के महासचिव बुद्धप्रिय महाथेरो ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया भर में जो अशांति और अशांति का माहौल बना हुआ है, उससे छुटकारा पाने और विश्व शांति की रक्षा के लिए हमें गौतम बुद्ध के दिखाए रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए।

एमएसएमई ग्रोथ कॉन्क्लेव का सफल आयोजन

कोलकाता : पश्चिम बंगाल एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम की ओर से एक बहुचर्चित मंच, को इस राज्य में एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, इस फोरम की ओर से कोलकाता के 'द स्प्रिंग क्लब' में एमएसएमई ग्रोथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय विधायक श्री विवेक गुप्ता ने किया। विधायक विवेक गुप्ता एवं इसका संचालन पश्चिम बंगाल एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम चैप्टर की अध्यक्ष सीएस (डॉक्टर) एडवोकेट ममता बिन्नानी ने किया। इस मौके पर सम्मानीय अतिथी एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के चेयरमैन श्री रजनीश गोयनका के साथ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पूर्वी क्षेत्र के जोनल हेड श्री पी सी खुराना के साथ समाज की कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियां इसमें शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक विवेक गुप्ता ने कहा, मुझे एमएसएमई ग्रोथ कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है, जिसका उद्देश्य विकास के अवसरों की अगली लहर को प्रेरित करने के साथ आगामी समय में इस क्षेत्र में आनेवाली चुनौतियों से निपटना और भारतीय एमएसएमई में सतत विकास के लिए आधार स्थापित करने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है। इस मौके पर उन्होंने साल्टलेक में सबसे बड़ी एमएसएमई कार्यालय का उद्घाटन करने के लिए कोलकाता चैप्टर को बधाई दी। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए पश्चिम बंगाल एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम की अध्यक्ष सीएस, डॉक्टर एवम एडवोकेट ममता बिन्नानी ने कहा, इस सम्मेलन का आयोजन एमएसएमई के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र में पश्चिम बंगाल की प्रतिभा और उद्यमिता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया गया है। इस आयोजन में एमएसएमई क्षेत्र को सरकार से मिलने वाले फायदों और उनके लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं का प्रसार भी किया गया, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन फायदे की विशेषता और इसके महत्व को बताया जा सके।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम के चेयरमैन रजनीश गोयनका ने कहा, यह सम्मेलन नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और उद्यमियों को विचारों, रणनीतियों और सफलता की कहानियों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देता है जो टिकाऊ और समावेशी आर्थिक लक्ष्य को हासिल करने में एमएसएमई के महत्व पर प्रकाश डालता है। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पूर्वी क्षेत्र के जोनल हेड पी सी खुराना ने कहा, मौजूद समय में एमएसएमई क्षेत्र जिसमे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हमारे देश की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। इसके साथ विनिर्माण और निर्यात में योगदान करने के साथ का उद्योग में उद्योग का समर्थन करते हैं। एमएसएमई ग्रोथ कॉन्क्लेव के बाद इस कार्यक्रम में एमएसएमई सेक्टर पर पश्चिम बंगाल एमएसएमई डेवलपमेंट फोरम की अध्यक्ष सीएस, डॉक्टर एवम एडवोकेट ममता बिन्नानी और सह-लेखक आईसीएआई के ईआईआरसी के अध्यक्ष सीए संजीब सांघी द्वारा लिखी गई पुस्तक को लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में कई संचालित पैनल सत्र का आयोजन किया गया था। एमएसएमई ग्रोथ कॉन्क्लेव और इसमें आयोजित सत्र के बाद साल्टलेक में एमएसएमई का एक नया कार्यालय खोले जाने की की घोषणा की गई। इस सफल आयोजन में भरपूर समर्थन के लिए एमएसएमई फोरम के सदस्यों द्वारा गोल्डन ट्यूलिप होटल के निदेशक श्री आशीष मित्तल के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

आसान नहीं रहा सफर

मौनी राय आज किसी परिचय की मोहताज नहीं। मौनी के डांस और एक्टिंग के साथ-साथ फैन्स उसके फैशन तथा स्टाइल को भी बहुत पसंद करते हैं।

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरु आत कर अब वह बड़े पर्दे पर भी खूब लोकप्रियता बटोर चुकी है मगर आज वह जिस मुकाम पर है, उस तक का उसका सफर आसान नहीं रहा। इसके पीछे ढेर सारा संघर्ष है। हाल ही में मौनी ने अपने पहले शो के दौरान किए स्ट्रगल के बारे में खुलकर बात करते हुए बताया कि वह केवल 3 घंटे की नींद ले पाती थी। उसने कहा कि पहले शो के दौरान वह क?लेज में थी। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से मौनी ने अपने करियर की शुरु आत की थी। मौनी ने सोचा था कि वह कुछ महीने तक काम करेगी, गर्मियों की छुट्टियों की तरह, लेकिन वह हो नहीं पाया।

मौनी ने कहा, 'हमारे काम के घंटे बहुत अलग हुआ करते थे। हम 3-4 घंटे की नींद लेते थे। मुझे फिर भी कोई आपत्ति नहीं थी। मैं थकी होती थी, बीमार महसूस करती थी लेकिन मुझे कभी सैट पर न जाने का मन नहीं हुआ। आखिरकार मेरी मेहनत रंग लाई। इसके बाद मौनी को सीरियल 'नागिन' से प्रसिद्धि मिली। यह सीरियल ऑफर होने से पहले मौनी एक गंभीर बीमारी से पीडित थी। मौनी ने कहा, 'शो 'नागिन' शुरू होने से पहले मैं अपनी जिदगी के एक ऐसे पड़ाव पर थी, जहां मुझे लगा कि मेरी जिदगी खत्म हो गई है। है। इतना गंभीर या दुखद कुछ भी नहीं था लेकिन में थोड़ी चीमार थी। झलक दिखला जा 9 के बाद मेरी 'एल-4-एल-5' रीढ़ की हड्डी पर असर पड़ा और इस वजह से मैं सीधी खड़ी नहीं हो पाती थी। तब मेरा वजन काफी बढ़ गया था. जी सेहत के लिए अच्छा नहीं था। मैं एक दिन में 30 गोलिया और कभी कभी इंजेक्शन ले रही थी। वह मेरे लिए बहुत बुरा समय था। मैं लगभग तीन महीने तक बिस्तर पर पड़ी रही और तभी मुझे 'नागिन' ऑफर हुआ। एकता कपूर के इस शो के अऑफर के लिए आभार व्यक्त करते हुए मोनी बताती है कि शुरु आत में सीरियल 'नागिन' को 3 महीने का बनाने की योजना थी लेकिन इसकी लोकप्रियता के कारण, निर्माताओं ने इसकी अवधि को 7 महीने तक बढ़ा दिया। गौरतलब है कि 'नागिन' का पहला सीजन 2015 से 2016 तक प्रसारित हुआ था। इसमें मौनी और अर्जुन बिजलानी ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

गत दिनों मौनी वैब सीरीज 'शोटाइम' में नजर आई। इसमें मौनी के साथ इमरान हाशमी, नसीरु द्दीन शाह, महिमा मकवाना, राजीव खंडेलवाल और श्रिया सरन ने काम किया है।

प्लास्टिक सर्जरी की अटकलें

मौनी को हाल ही में अरबी गायक डिस्टिक्ट के साथ अपने नए गीत 'जालिमा' की रिलीज के बाद ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। जहाँ इस गाने ने अपनी आकर्षक धुन और खूबसूरत सीन्स के लिए फैन्स का ध्यान आकर्षित किया, वही वीडियो में मौनी को देख सोशल मीडिया पर प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों को भी हवा मिल गई। जैसे ही 'जालिमा' गाना रिलीज हुआ, यूजर्स ने मौनी को उसकी लुक के लिए ट्रोल किया और 'प्लास्टिक कहा। एक यूजर ने लिखा, 'मौनी आंखों को क्या हो गया? क्या इन्होंने आखों में भी प्लास्टिक सर्जरी करवा ली है?

सोनाक्षी की जहीर इकबाल संग शादी की खबरों पर बोले शत्रुघ्न सिन्हा-

आजकल के बच्चे मां-बाप की सहमति नहीं लेते

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की पहली मुलाकात सलमान खान की पार्टी में हुई थी, और तभी एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे। बाद में दोनों ने साथ में फिल्म 'डबल दङ' में काम किया और फिर तबसे अकसर ही साथ नजर आने लगे। सोनाक्षी और जहीर इकबाल सोशल मीडिया पर भी अकसर ही रोमांटिक पोस्ट करते रहते।

सोनाक्षी सिन्हा और बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल की शादी की चर्चा जमकर सुर्खियां बटोर रही है। बताया जाता है कि दोनों 23 जून को शादी कर रहे हैं। इस अचानक आई खबर से हर कोई हैरान है। फैंस को भी यकीन नहीं हो रहा कि यह वाकई होने जा रहा है। हालांकि अभी तक सोनाक्षी या जहीर इकबाल की ओर से शादी की खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं आया है, पर पापा शत्रुघ्न सिन्हा ने जरूर प्रतिक्रिया दी है। शत्रुघ्न सिन्हा का कहना है कि उनकी बेटी सोनाक्षी ने उन्हें अभी तक शादी के बारे में अभी तक कुछ नहीं बताया है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसास भी कहा है कि जसिसे यह कयास लग रहे हैं कि क्या दिग्गज एक्टर और टीएमसी सांसद शत्रुघ्न इस रिश्ते से खुश नहीं हैं?

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, 'मैं अभी दिल्ली में हूं। चुनाव नतीजों के बाद, मैं यहां आ गया था। मैंने किसी से भी बेटी के प्लान के बारे में कोई बात नहीं की है। तो आपका सवाल यह है कि क्या वह शादी कर रही है? इसका उत्तर यह है कि उसने मुझे इसके बारे में कुछ नहीं बताया है। मैं भी उतना ही जानता हूँ जितना मैं मीडिया में पढता हूं। अगर वो मुझे विश्वास दिलाती है कि शादी कर रही है, तो मैं और मेरी पत्नी उन्हें (सोनाक्षी और जहीर इकबाल) को अपना आशीर्वाद देंगे। हम कामना करते हैं कि वो हमेशा खुश रहें।' शत्रुघ्न सिन्हा ने आगे कहा, 'हमें अपनी बेटी के फैसले पर पूरा भरोसा है। वह कभी भी कोई गलत फैसला नहीं लेंगी। एक अडल्ट होने के नाते उन्हें अपने फैसले खुद लेने का अधिकार है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जब भी मेरी बेटी की शादी होगी, मैं बारात के ठीक सामने नाचना चाहूंगा। मेरे करीबी लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि मुझे इस कथित शादी के बारे में जानकारी क्यों नहीं है, और मीडिया को इसकी जानकारी है। मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि आजकल के बच्चे मां-बाप की सहमति नहीं लेते, बस इन्फॉर्म करते हैं। हम भी इंतजार कर रहे हैं कि कब बताया जाएगा कि शादी कर रहे हैं।'

आवश्यकता

'बात हिन्दुस्तान की' समाचार पत्र के लिए संवाददाताओं की आवश्यकता है। ह्वाट्सएप पर संपर्क करें- 9798848926

'बात हिन्दुस्तान की' में अपने संस्थान/ प्रतिष्ठान/ कार्यालय आदि का विज्ञापन प्रकाशित करवाने हेतु ह्वाट्सेप नं. 9798848926 पर संपर्क करें। खबरों के लिए हमारे वेबसाइट, यूट्यूब एवं फेसबुक पेज पर नजर रखें

स्वत्वाधिकारी ***'बात हिन्दुस्तान की'*** *(पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-***उमेश तिवारी,** *फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी , ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com*

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)